श्री महाकाल चालीसा | By Mukesh Bagda |

जय महाकाल काल के नाशक,
जय त्रिलोक अति मोक्ष प्रदायक।

मृत्युञ्जय, भव बाधा हारी,
शत्रुंजय करो विजय हमारी।

आकाश में कारज लिंगम,
पाताल में हातकेश्वरम्,
भूलोक में महाकालेश्वरम्,
सत्यं, शिवं और सुन्दरम्।
शिप्रा तट ऊपर शिव भूमि,
महाकाल बने पावन भूमि।

अशुतोष भोले भंडारी,
नटराज बाघंबरधारी।
सृष्टि को आरंभ कराते,
काल चक्र को आप चलाते।
तीर्थ अवंती में है बसते,
दर्शन करके संकट हरते।

विष पीकर शिव निर्भय डरते,
नीलकंठ महाकाल कहाते।
महादेव ये महाकाल हैं,
निराकार का रूप धरे हैं।
ज्योतिर्मय ईशान अधीश्वर,
परम ब्रह्म हैं महाकालेश्वर।

आदि सनातन स्वयं योगीश्वर,
महाकाल प्रभु हैं सर्वेश्वर।
जय महाकाल महेश्वर जय जय,
जय हर्षिद्धि महेश्वर जय जय।
शिव के साथ शिवा है शक्ति,
भक्तों की है रक्षा करती।

जय नागेश्वर, सौभाग्येश्वर,
जय भोले बाबा सिद्धेश्वर।
ऋणमुक्तेश्वर, स्वर्णजलेश्वर,
अरुणेश्वर बाबा योगेश्वर।
दैत्य संहार त्रिशस्त्र उठाही,
काल भयानक हैं त्रिपुरारी।

ज्ञान के दाता, तंत्र अधिपति,
दक्षिणमुखी भुलोक अधिपति।
पंच, अष्ट, द्वादश लिंगों की,
महिमा सबसे न्यारी इनकी।
श्रीकर्गोप को दर्शन दिखाए,
नन्द बाबा की बेड़ियाँ सारी।

भक्त चन्द्रसेन चरण में आये,
विजयी कर इन्द्र मित्र बनाए।
दैत्य दूषण भस्म किए,
और भक्तों से महाकाल कहे।
दुष्ट दैत्य अंधक जब आया,
मातृकाओं से नष्ट कराया।

जग जननी है भागी तनया,
श्री भोलेश्वर में मान बढ़ाया।
श्री हरि की तर्जनी से हर हर,
शिप्रा भी लाए गंगाधर।
अमृतमय पावन जल पाया,
ऋषिदेवों ने पुण्य बढ़ाया।

"नमः शिवाय" मंत्र पंचाक्षरी,
इनका मंत्र बड़ा भयहारी।
इसके जपते मिटती सारी,
चिंता, शेष, विपद सांसारी।
शिर जटा-जूट, तन भस्म साजे,
डम डम डमरू त्रिशूल साजे।

श्मशान बिहारी, भूतपति,
विषधरधारी जय उमापति।
रुद्राक्ष विभूषित शिव शंकर,
त्रिकुण्ड विभूषित प्रलयंकर।
सर्वशक्तिमान, सर्वगुणाधार,
सर्वज्ञ, सर्वोपरि जगदीश्वर।

अनादि, अनंत, दिव्य, निर्विकारी,
महाकाल प्रभु रूद्र अवतारी।
भाग्य विधाता, अज, अविनाशी,
मृत्यु रक्षक, सुख राशी।
त्रिललित नेत्र, त्रिकुट त्रिशूलधार,
त्रितय-त्रिलोकपति महाकालेश्वर।

त्रिदेव के हैं ये ईश्वर,
निराकार शिव हैं योगेश्वर।
एक्यरास काल ऐ पांव्या,
उड़ान नाग कुलम ददलस्वा।
देवदत्त घमंजर ए घरसन,
मन हो उज्ज्वल, जाप तर जाऊँ।

अघोर, अशुतोष, जय औघड़दानी,
अभिषेक प्रिय ऋषीश्वर धानी।
कल्याणमय, आनंद स्वरूप, शशि-शेखर,
श्री भोले शंकर, जय महाकालेश्वर।

प्रथम पूज्य श्री गणेश हैं,
ऋद्धि सिद्धि संग,
देवों के सेनापति,
महावीर स्कंद।

प्रथम पूज्य श्री गणेश हैं,
ऋद्धि सिद्धि संग,
देवों के सेनापति,
महावीर स्कंद।
अन्नपूर्णा माँ पार्वती,
जग को देती अन्न,
महाकाल मन में बसे,
महाकाल के संग।

शिव कहें जग राम है,
राम कहें जग शिव,
धन्य धन्य माँ शारदा,
ऐसी ही दो प्रीत।
श्री महाकाल चालीसा प्रेम से,
नित्य करे जो पाठ,
कृपा मिले महाकाल की,
सिद्धि होए सब साथ।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%80%e0%a4%b8%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/